MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY OF JOURNALISM AND COMMUNICATION

// UNIVERSITY LIBRARY //

-: NEWS CLIPPING SERVICE -:

DATE:17 JULY 2026

एआई के जरिए मशीन डेटा को ज्ञान में तब्दील करने में सक्षम : बालेंदु शर्मा

■ एमसीयू में एआई एफडीपी का नौवां दिन

स्वदेश संवाददाता ■ भोपाल

सूचनाक्रांति के इस युग में एआई हमारे वर्तमान का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। आज एआई का दखल हर सेक्टर में बढ़ रहा है। यह बात एआईएलजीओ के सीईओ बालेंदु शर्मा दाधीच ने एमसीयू में चल रहे एआई एफडीपी में कही।

दाधीच ने कहा कि एआई बहुत बड़े डेटा का विश्लेषण पैटर्न के आधार पर करता है। यह एक ऐसी तकनीक है जो सूचनाओं और डेटा का विश्लेषण कर हमें कई समस्याओं का समाधान देने में सक्षम है। इसके साथ काम करने पर आश्चर्यजनक तेजी से परिणाम मिलते हैं। एआई के जरिये ही मशीनें डेटा को ज्ञान में तब्दील कर हमें देती हैं।

इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार और एआई ट्रेनर देविका छिब्बर ने कहा कि टेक्नालाजी ने टीवी और प्रिंट मीडिया में न्यूजरूम इकोसिस्टम को बहुत व्यापक पैमाने पर बदल दिया है। यहां एआई और एजेंटिक एआई का हस्तक्षेप दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। उन्होंने बताया कि हर दिन एक नया टूल आ रहा है इसलिए तकनीक पूरे इकोसिस्टम को बहुत तेजी से बदल रही हैं।

इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार सुशील प्रताप सिंह ने कहा कि पत्रकारिता में एआई एक असिस्टेंट है जादुई जिन्न नहीं है। उन्होंने पत्रकारिता में ए आई के फायदे, सीमाएं और गंभीर खतरों पर ध्यान आकर्षित किया। श्री सिंह ने कहा कि एआई को हम अपने सांचे में अपनी जरुरत के मुताबिक ढाल लें तो उससे बेहतर काम लिया जा सकता है। श्री सिंह ने कहा कि पत्रकारिता में एआई ने बहुत सा समय बचा लिया है अब उस बचे समय का उपयोग एआई को समझने में करना जरुरी है ताकि वह कम से कम गलती करें और हमारा सहयोगी बन सके। उन्होंने प्रोम्प्ट इंजीनियरिंग सहित एआई के गंभीर खतरों को कुछ उदाहरण के माध्यम से समझाया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी विभागों के शिक्षक उपस्थित थे। 18 जुलाई को एफडीपी के समापन सत्र में मुख्य अतिथि आईआईआईटी के निदेशक प्रोफेसर आशुतोष कुमार सिंह होंगे। इसके साथ ही तकनीकी सत्रों में विशेषज्ञ जेनेरेटिव एआई, कंटेंट क्रिएशन, एआई न्यूजरूम टूल्स सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर एक्सपर्टस हैंड्स-आन प्रशिक्षण देंगे।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH'17 JULY.2026

एमसीयू में एआई प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने साझा किए आधुनिक तकनीक के आयाम

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में आयोजित एआई फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) के नौवें दिन विशेषज्ञों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते उपयोग, संभावनाओं और चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की।

एआईएलजीओ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बालेंदु शर्मा दाधीच ने कहा कि एआई मशीनों को बड़े डेटा का विश्लेषण कर उसे उपयोगी ज्ञान में बदलने में सक्षम बनाती है। यह तकनीक विभिन्न क्षेत्रों में तेज और प्रभावी समाधान उपलब्ध करा रही है तथा भविष्य में इसकी भूमिका और बढ़ेगी।

दाधीच ने कहा कि एआई की अवधारणा नई नहीं है। प्राचीन

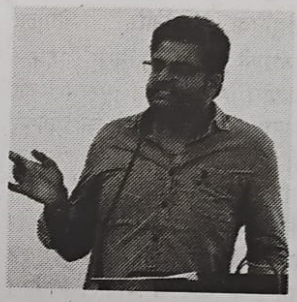

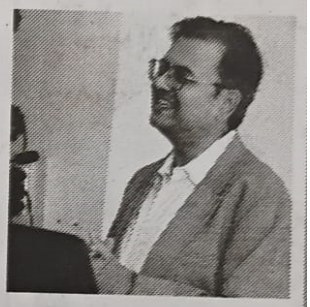

सभ्यताओं में भी स्वचालित प्रणालियों की कल्पना की गई थी, जिसे आज आधुनिक तकनीक ने वास्तविक रूप दिया है। उन्होंने कहा कि सूचना क्रांति के दौर में एआई जीवन और कार्यप्रणाली का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है।

दूसरे तकनीकी सत्र में वरिष्ठ पत्रकार एवं एआई प्रशिक्षक देविका छिब्बर ने कहा कि एआई और एजेंटिक एआई के कारण मीडिया संस्थानों के न्यूजरूम तेजी से बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि नई तकनीकों और एआई टूल्स की जानकारी आज के पत्रकारों के लिए आवश्यक हो गई है तथा भविष्य में एआई प्रशिक्षकों और तकनीकी विशेषज्ञों की मांग बढ़ेगी।

वरिष्ठ पत्रकार सुशील प्रताप सिंह ने कहा कि पत्रकारिता में एआई सहायक की भूमिका निभा सकती है, लेकिन इसे अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता। उन्होंने आगाह किया कि बिना सत्यापन के एआई से प्राप्त जानकारी प्रकाशित करना जोखिमपूर्ण हो सकता है। उन्होंने बताया कि अनुवाद, डेटा विश्लेषण और कंटेंट तैयार करने जैसे कई कार्यों में एआई उपयोगी है, लेकिन इसके प्रभावी उपयोग के लिए प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग और तथ्य जांच की समझ जरूरी है। कार्यक्रम के समापन सत्र में विशेषज्ञ जनरेटिव एआई, कंटेंट क्रिएशन और एआई न्यूजरूम टूल्स पर प्रशिक्षण देंगे।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'DANIK NAIDUNIYA JYOTI'17 JULY.2026

एमसीयू में एआई एफडीपी का नौवें दिन विषय विशेषज्ञों ने रखे अपने विचार

एआई के जरिए मशीन डेटा को ज्ञान में तब्दील करने में सक्षम : बालेंदु शर्मा दाधीच

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

इंसानी परिकल्पनाओं की कोई सीमा नहीं है। एआई की यात्रा भी इसी तरह की है। इसकी बुनियाद में स्वचालित क्रियाएं हैं। लोग प्राचीन समय में स्वचालित मशीनों की परिकल्पनाएं करते थे। वे विचार और कल्पनाएं दरअसल एआई से मिलता जुलती अवधारणाएं ही थीं। भारत सहित दुनिया की कई अन्य प्राचीन सभ्यताओं में एआई से मिलती जुलती परिकल्पनाएं मिलती हैं। आधुनिक समय में कंप्यूटर की खोज से पहले से ही इस दिशा में काम चल रहा है। और सूचनाक्रांति के इस युग में एआई हमारे वर्तमान का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। आज एआई का दखल आज हर सेक्टर में बढ़ रहा है। यह बात एआईएलजीओ के सीईओ बालेंदु शर्मा दाधीच ने एमसीयू में चल रहे एआई एफडीपी में कही। दाधीच गुरूवार को इस एफडीपी के तकनीकी सत्र में बतौर विशेषज्ञ संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एआई बहुत बड़े डेटा का विश्लेषण पैटर्न के आधार पर करता है। यह एक ऐसी तकनीक है जो सूचनाओं और डेटा का विश्लेषण कर हमें कई समस्याओं का समाधान देने में सक्षम है। इसके साथ काम करने पर आश्चर्यजनक तेजी से परिणाम मिलते हैं। एआई के जरिये ही मशीनें डेटा को ज्ञान में तब्दील कर हमें देती हैं।

टेक्नॉलाजी ने न्यूजरूम इकोसिस्टम को बहुत व्यापक पैमाने पर बदल दिया: देविका छिब्बर

इस अवसर पर एक अन्य सत्र में वरिष्ठ पत्रकार और एआई ट्रेनर देविका छिब्बर ने कहा कि टेक्नॉलाजी ने टीवी और प्रिंट मीडिया में न्यूजरूम इकोसिस्टम को बहुत व्यापक पैमाने पर बदल दिया है। यहां एआई और एजेंटिक एआई का हस्तक्षेप दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। उन्होंने बताया कि हर दिन एक नया टूल आ रहा है इसलिए तकनीकें पूरे इकोसिस्टम को बहुत तेजी से बदल रही हैं। ऐसे में आने वाले समय में बहुत से विशेषज्ञों के लिए इंडस्ट्री में अच्छे अवसर बनेंगे। उन्होंने कहा कि एआई के दौर में इसकी साक्षरता बहुत महत्वपूर्ण है।

पत्रकारिता में एआई एक असिस्टेंट, जादुई जिन्न नहीं: सुशील प्रताप सिंह

इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार सुशील प्रताप सिंह ने कहा कि पत्रकारिता में एआई एक असिस्टेंट है जादुई जिन्न नहीं है। उन्होंने पत्रकारिता में ए आई के फायदे, सीमाएं और गंभीर खतरों पर ध्यान आकर्षित किया। श्री सिंह ने कहा कि एआई को हम अपने सांचे में अपनी जरुरत के मुताबिक ढाल लें तो उससे बेहतर काम लिया जा सकता है। उन्होंने मीडिया न्यूजरूम में एआई के साथ तकरीबन 16 अलग-अलग तरह के काम आसानी से किये जा सकते हैं।

आज होगा समापन : 17 जुलाई को इस एफडीपी के समापन सत्र में मुख्य अतिथि आईआईआईटी के निदेशक प्रोफेसर आशुतोष कुमार सिंह होंगे। इसके साथ ही तकनीकी सत्रों में विशेषज्ञ जेनेरेटिव एआई, कंटेंट क्रिएशन, एआई न्यूजरूम टूल्स सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर एक्सपर्ट्स हैंड्स-आन प्रशिक्षण देंगे।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH JYOTI'17 JULY.2026